

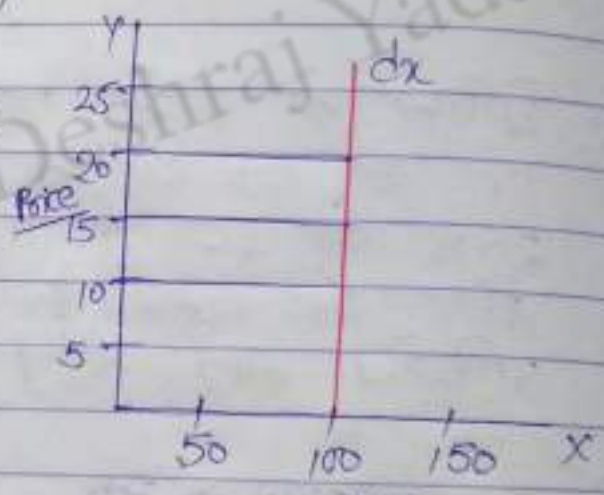
Elasticity / प्रत्यासत्ता लोच



Demand elasticity:- लोच, किसी भी वस्तु में बदलाव के लोच कहते हैं। और यदि मांग को प्रभावित करने वाले कारकों के कारण मांग में बदलाव आता है तो उसे मांग लोच कहते हैं।

(I) #

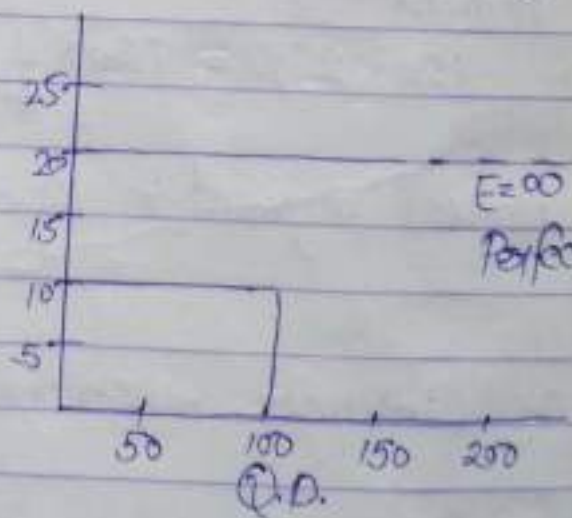
Price	Q.D.
10₹	100
15₹	100
20₹	100



$E = 0 \Rightarrow$ Perfectly inelastic

(II)

Price	Q.D.
10₹	100
20₹	∞



$E = \infty$
Perfectly elastic

18/01/2020

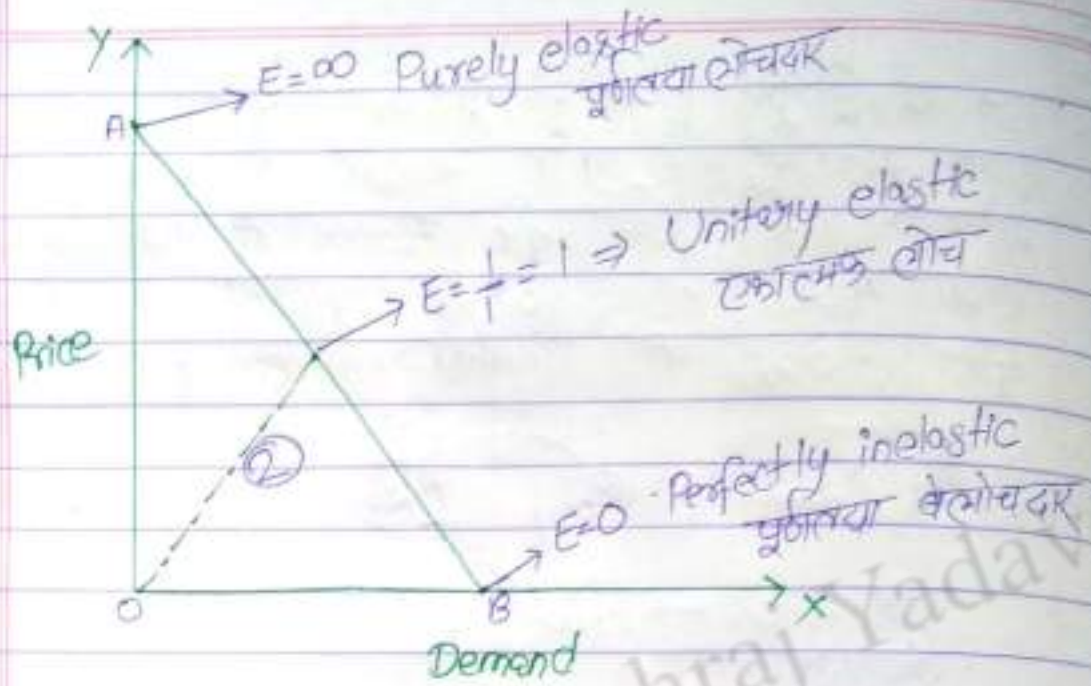
Q. एक फॅक्ट्री में 8 करीगरो को 900 रु. प्रतिदिन पर रखा जाता है एवं 9वें मजदूर ने 950 रु. प्रतिदिन की मांग की और यदि 9वें मजदूर को रखा जाय और सभी मजदूर को 950 रु. भुगतान करना होगा 9वें मजदूर की सीमान्त लागत कात कीजिए।



Q. प्रिया को एक ड्रेस पसन्द है जिसका वह 30,000 रुपयों का वहन कर सकती है लेकिन यदि वह इस ड्रेस 25,000 की कीमत पर मिलती है इसके अलावा उसपर 30% की छूट भी है। तो उपभोक्ता आधिपत्य कितना होगा।

Solⁿ Expected payment
30,000 रु.

25000 × 30 = 7500	30000
<u>19000</u>	-17500
25000	<u>12500 रु.</u>
-7500	Consumer
<u>17500</u> Actual payment	<u>Surplus</u>



$E =$ lower position value

Upper position value

#	Price	Q.D.
	10	100
	15	50

$$E = \frac{\% \Delta \text{ in demand}}{\% \Delta \text{ in Price}}$$

$$\frac{15-10}{10} \times 100 = \frac{50}{50} = 1 \quad (E=1)$$

Unitary elastic

$$= 50\%$$

16.38
15
31.38

Q. यदि किसी वस्तु की मांग लोच 2 है, और यह 5% की कीमत को कम करने प्राप्त होगा है ऐसी स्थिति में कितने प्रतिशत वस्तु की मांग में बदलाव होगा।

Ans

$$E = 2$$

$$2 = \frac{x}{5} \Rightarrow x = 10$$

Q. यदि किसी वस्तु का मूल्य P₁ से घटकर 25% हो जाता है तो ऐसे में मांगों की वस्तु 900 से 1200 रु० हो जाती है और यदि वस्तु का मांग लोच 2 है तो वस्तु का पुराना मूल्य क्या करे।

Ans

$$E = 2$$

$$1200 - 900 = 300$$

$$2 = \frac{33}{x}$$

$$\frac{300 \times 100}{900} = \frac{100}{3} = 33\frac{1}{3}$$

$$x = 16.50\% \Rightarrow \frac{25 \times 100}{100} \times \frac{16}{100} = 25$$

$$\frac{25 \times 16}{100} = 4$$

$$\frac{25 \times 100}{16} = 156.25$$

$$E_{max} = 30$$

Q. यदि किसी वस्तु का मांगलोच 2.5 है और यदि यह उत्पाद परमान 10,000 रु० प्रति मांग रु० रहा है और यदि यह उत्पाद मांग 6% बढ़ाना चाहता है तो उसे कितने % कीमत में कमी करना होगा।

~~Sol~~

$$E = 2.5$$

$$2.5 = \frac{6}{x}$$

$$x = \frac{6}{2.5}$$

$$x = \frac{60}{25} \Rightarrow x = 2.4\%$$

Market

बाजार एक ऐसा सामान्य स्थल है जहाँ
 केता और विक्रेता मिलते हैं।
 प्रतिस्पर्धा के आधार पर बाजारों का
 वर्गीकरण —

(i) Perfect Competition Market:-

पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार

- # यहाँ आत्यधिक विक्रेता होते हैं, आत्यधिक विक्रेता भी होते हैं।
- # यहाँ सजावटिया उत्पाद होते हैं।
- # लाभ कम होते हैं।
- # यहाँ कोई विज्ञापन नहीं होगा है।
- # ऐसे बाजार में आसान प्रवेश और आसान निष्कास होता है। \rightarrow Buyer is price maker
- # केता कीमत निर्माता होता है, विक्रेता कीमत ग्रहणकर्ता होता है।
 \rightarrow Seller is price taker

(ii) Monopoly Market / एकाधिकार बाजार :-

- # Single Seller / विक्रेता एकल
- # Large No. of buyers / अत्यधिक क्रेता
- # Single product / एकल उत्पाद
- # Profit is maximum / लाभ अत्यधिक
- # No Advertisement.
- # Seller is price maker. / विक्रेता कीमत निर्माता
- # Buyer is price taker. / क्रेता कीमत ग्रहणकर्ता
- # No. entry & Exit. / प्रवेश एवं विफल नहीं।

(iii) Monopolistic Market / एकाधिकारी बाजार :-

- # Large No. of Seller.
- # Large no. of buyer.
- # Differentiated product.
- # Advertisement Cost is high / विज्ञापन लागत उच्च
- # Profit is medium (लाभ मध्यम होता है)
- # Seller is the price maker. (विक्रेता कीमत निर्माता)
- # Buyer is price taker (क्रेता कीमत ग्रहणकर्ता)
- # Market awareness is very high
बाजार जागरूकता अतिरिक्त
- # Entry is hard and exit is easy.



(iv) Oligopoly / अल्पाधिकारी बाजार :-

- # Few sellers कुछ विक्रेता
- # Large No. of buyers अल्पविक्रेता
- # Cartel formation / समूह निर्माण
- # Price is high लाभ अधिक
- # Seller is price maker.
- # Buyer is price taker.
- # Entry is hard.
- # Exit is hard.
- # Kinked demand ~~XX~~ Curve. / झुका हुआ माँग वक्र



Monopsony : Single seller, Single buyer.
ej. DRDO.

Market

On the basis of security
प्रतिभूतियों के आधार पर बाजार

1 वर्ष से कम
के लिए

1 वर्ष से अधिक
Capital Market
(पूंजी बाजार)

Money Market
मुद्रा बाजार

Money Market

Unorganized Market
(असंगठित बाजार)

Organised Market
(संगठित बाजार)

उत्पादक
हुबडी

- Treasury Bills CP's
- Commercial papers
- Certificates of deposits (जमा प्रमाण पत्र)
- Call Money / काल मनी
- Notice Money / नोटिस मनी

FI

- Bank
 - NBFI
 - NBFC
 - NABARD
 - NHI
 - SIDBEE
 - EXIT BANK
- eg - Muthoot

Treasury bills:-

Gilt-bill (T-bills)

ट्रेजरी बिल केन्द्र सरकार द्वारा जारी किये जाने वाले वह प्रणपत्र है जिन्की परिपक्वता आयु एक वर्ष से कम होती है यह तीन प्रकार के होते हैं -

- (i) 91 दिन
 - (ii) 182 दिन
 - (iii) 364 दिन
- इन प्रणपत्रों को RBI के आनलाइन पोर्टल पर e-auction से खरीदा जा सकता है किसी निजी व्यक्ति, संस्था अथवा बैंक द्वारा खरीदा जा सकता है।

Commercial papers:-

वाणिज्यिक पत्र वह प्रणपत्र होते हैं जिन्की कोई भी कंपनी सरकारी अथवा निजी जारी कर सकती है, और इनकी परिपक्वता 1 वर्ष से कम होती है।

Certificates of deposits:-

जमा प्रमाण पत्र वह प्रणपत्र होते हैं जो बचत संस्थानों द्वारा जमा के विरुद्ध जारी किये जाते हैं और इन्हें केवल बचत संस्थान ही खरीद सकते हैं, और इनकी परिपक्वता भी 1 वर्ष से कम होती है।

Call money / कॉल मनी:-

कॉल मनी बैंक द्वारा जारी किया जाने वाला वह प्रणपत्र है जिसे जिसके जिसकी आयु 1 दिन की होती है।

Notice Money :-

नोटिस मनी बैंक द्वारा जारी किया जाने वाला वह प्रणाल है जो 1-14 दिन के लिए जारी किया जाता है।

Capital Market

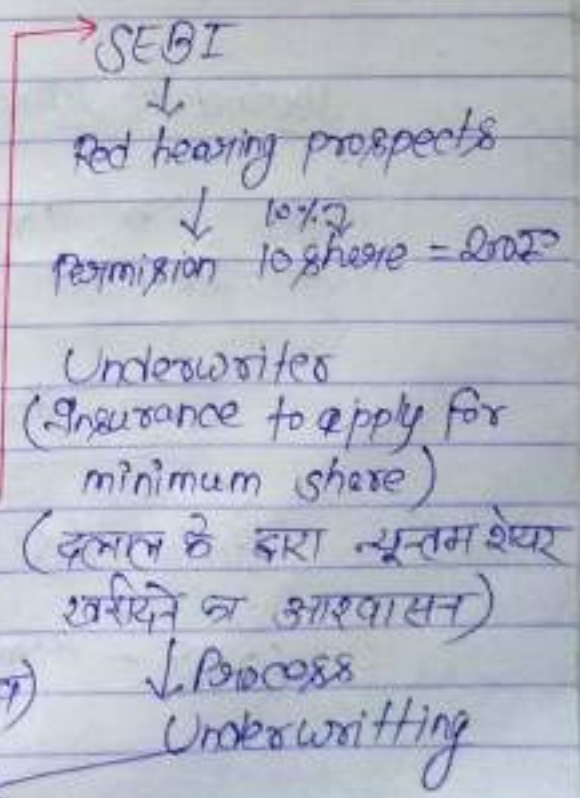
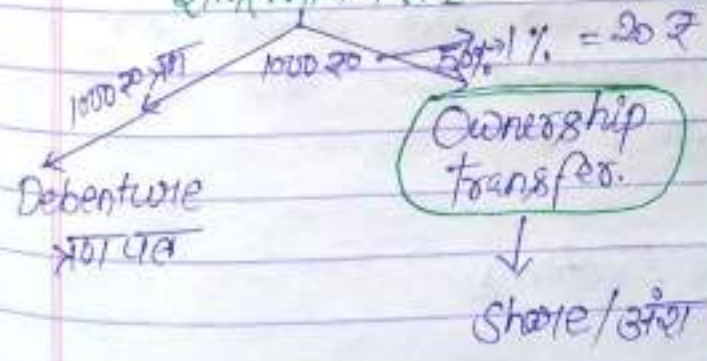
Primary Market
प्राथमिक बाजार

Secondary Market
द्वितीयक बाजार

- IPO
- FPO
- Right Issue

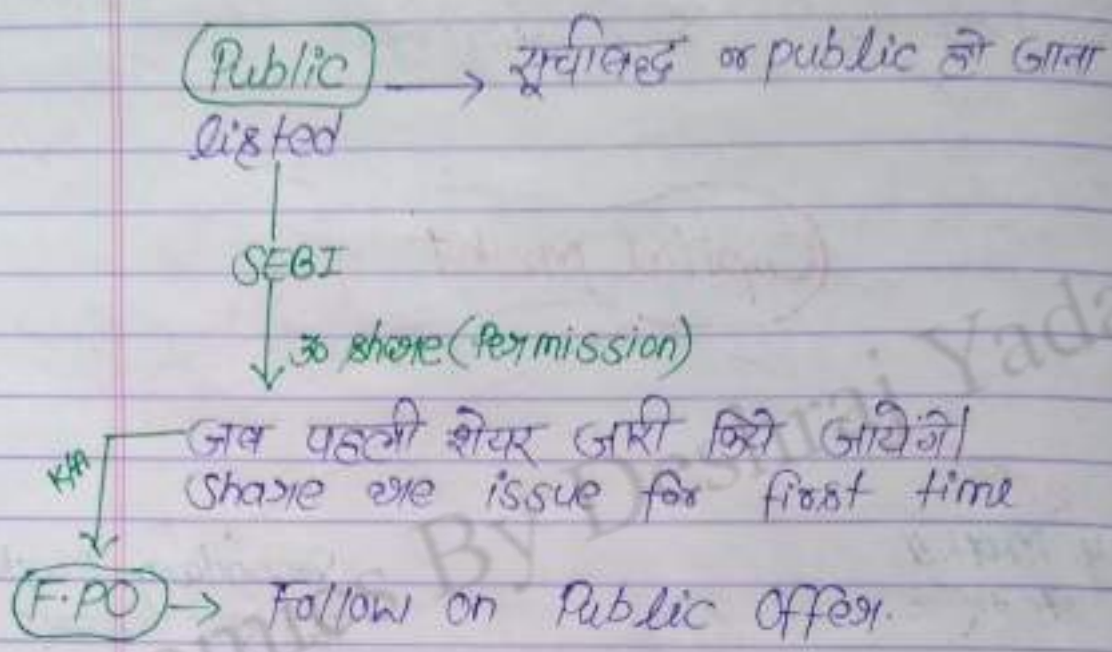
- Share Market
- Stock Market

शक्तिमान P/L:



IPO → Initial Public Offering
(प्राथमिक सार्वजनिक प्रस्ताव)
सर्वप्रथम शेयर जारी किए जाते।

जैसे की कोई कंपनी IPO जारी करते की Public कंपनी हो जाती है।



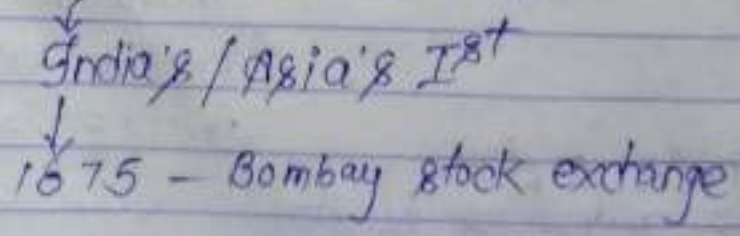
Right issue :-

जब वर्तमान शेयर धारके को नये शेयर जारी किये जाये तो उसे राइट इश्यू कहते हैं।

Secondary Market :-

यह वह बाजार होता है जहां एक बार जारी कर दिये गये शेयरों का खेन-देन होता है।

Stock Exchange



NSE

BSE

Index: NIFTY ⇒ NIFTY-FIFTY

Sensex ⇒ BSE-30
↳ Sensitive Index

: 50 Company

30 Company

Base year : 1993

1978-79

Base points : 1000 point

100 points

Bull (तेज डिये) :- बाजार का ऊपर उठना।

Bear (मंद डिये) :- बाजार का नीचे गिर जाना।

Stag (स्टैग) :- बाजार स्थिर है।

Insider Trading :-

इसका सम्बन्ध शेयर बाजार से है और यह गैर कानूनी होता है। जिसमें एक व्यक्ति द्वारा किसी कम्पनी के गुप्त सूचनाओं की जानकारी लेकर उस कम्पनी के शेयर बाजार में खरीदने और बेचने को कनसाइडर ट्रेडिंग कहते हैं।

Unemployment / बेरोजगारी :-

Calculated by

CSO

→ केन्द्रीय सांख्यिकी संस्था

1972 → भगवती समिति

तरीक

- ① Usual steps states / सामान्य स्तर
- ② Weekly states / साप्ताहिक स्तर
- ③ Daily states / दैनिक स्तर

यदि किसी व्यक्ति को 1 वर्ष में एक भी दिन का बेरोजगार नहीं मिलता है उसे सामान्य स्तर का बेरोजगार कहते हैं।

जब एक व्यक्ति को पिछले 7 दिन में एक भी दिन बेरोजगार नहीं मिलता उसे साप्ताहिक स्तर का बेरोजगार कहते हैं।

जब एक व्यक्ति को पूरे 1 दिन में एक भी घंटे भी का बेरोजगार न मिले तो उसे दैनिक स्तर का बेरोजगार कहते हैं।

Seasonal Unemployment: मौसमी बेरोजगारी

यह भारत में सबसे अधिक है।

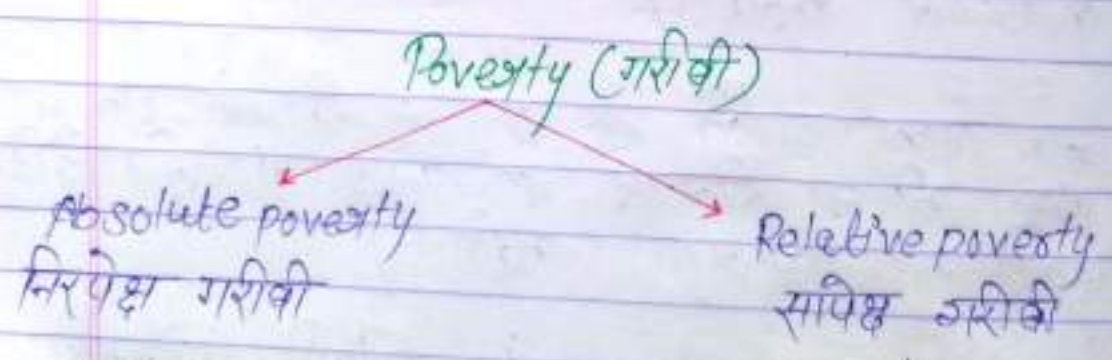
Frictional Unemployment: घर्षित बेरोजगारी :-

दार्जित बेरोजगारी ऐसी बेरोजगारी है, जिसमें एक व्यक्ति पुराने कार्य को छोड़कर नये कार्य की तलाश में लग जाते हैं, इ ऐसे पुराने कार्य और नये कार्य के बीच के समय को दार्जित बेरोजगारी कहते हैं।

Disguised unemployment :-
(प्रदूष/ हीपी डूई बेरोजगारी)

जब अधिक लोग तुलनात्मक एक छोटे कार्य में संलग्न होते हैं ये सर्वाधिक भारतीय कृषि में दिखती है।

Structural unemployment :-
(संरचनात्मक बेरोजगारी)



निरपेक्ष गरीबी वह स्थिति होती है जहाँ एक व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी नहीं कर पाता है।

सूब गरीबी का अध्ययन तुलनात्मक आधार पर किया जाय तो उसे सापेक्ष गरीबी कहते हैं।

1971 :- रथसडे समिति → आधार कलोरी :- 2250 कैलोरी/व्यक्ति/दिन

1979 :- Y.K. Alagh Committee

ग्रामीण	शहरी
2500	2200

1983 :- D.T. Lakadwala Committee भहगर्हि

2008 :- Tendulkar Committee

व्यय	
ग्रामीण (35 रु) से कम	शहरी (45 रु)

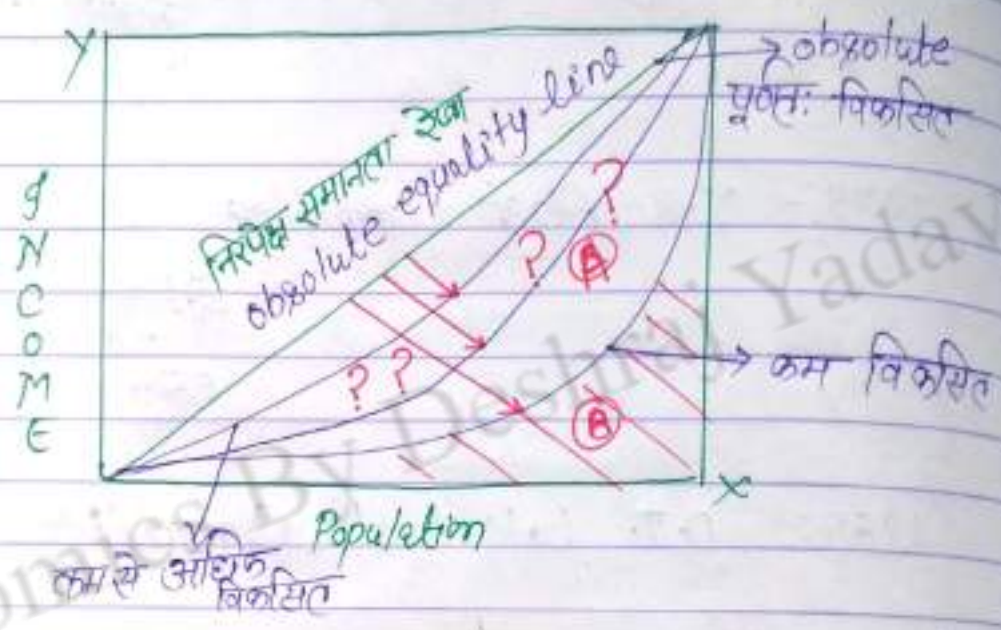
2012 :- Rangarajan Committee : ग्रामीण (49 रु) शहरी (54 रु)

→ वर्तमान में आकलन ऐसा है।

Relative Poverty

↓

1901 में :- Lorenz



Lorenz Curve:- लॉरेन्ज कर्व किसी राष्ट्र की जनसंख्या एवं उस राष्ट्र की आय के मध्य सम्बन्ध को दर्शाता है।

1911 → Corrado Ginni

$$\text{Ginni coefficient} = \frac{A}{A+B} = \frac{0}{2+0} = 0$$

$$\frac{0}{0+2} = \frac{0}{2} = \text{developed}$$

- 0 - 499 :- विकसित राष्ट्र
- 0.5 - 799 :- विकासशील
- 8 - 1 :- अविकसित

8586873122

Page No.	Study Date
Date: / /	

गिनी गुणांक किसी राष्ट्र में आय के
असमनता को दर्शाता है।

Economics By Deshraj Yadav